<u>ततॉरा वामीरो कथा</u>

एक–दो पक्तियों में उत्तर–

1. **ततॉरा वामीरो कहॉ की कथा है?**

उत्तरः– ततॉरा वामीरो कथा अंदमान निकोबार द्वीप समूह की है।

2. **वामीरो अपना गाना भूल गईः–**

उत्तरः– समुद्र की एक तेज लहर ने वामीरो को भिगो दिया था, इसी हडबडाहत में वामीरो अपना गाना भूल गई।

3. **ततॉरा ने वामीरो से कया याचना की?**

उत्तरः– ततॉरा ने वामीरो से याचना करते हुए कहा, ''वामीरो वाह! कितना सुंदर नाम है कल भी आओगी ना यहॉ मैं यहॉ इसी चट्टान पर तुम्हारा इंतजार करूँगा।

4. **ततॉरा और वामीरो के गॉव की क्या रीति थी?**

उत्तरः– ततॉरा और वामीरो के गॉव की राति थी, कि वहॉ के लडका या लडकी अपने गॉव के अलावा किसी दूसरे गॉव में शादी–विवाह संबंध नहीं कर सकते थे।

5. **क्रोध में आकर ततॉरा ने क्या किया?**

उत्तरः– क्रोध में आकर ततॉरा ने अपनी दिव्य तलवार से निकोबार द्वीप के दो भाग अलग–अलग कर दिये एक का नाम कार–निकोबार है और दूसरे का नाम लिटिल अंढमान है। दोनों के बीच में आज–कल 96 कि.मी. की दूरी है।

25–30 शब्दों में उत्तरः–

1. तताॅरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या मत था?

उत्तरः– तताॅरा की तलवार के बारे में वहाॅ के लोगों की राय थी, कि भले ही वह तलवार लकडी की बनी है फिर भी उसमें कोई दैवीय शक्ति है, जिसके कारण तताॅरा बडे बडे कारनामे कर लेता है।

2. वामीरो ने तताॅरा को बेरूखी से क्या जवाब दिया।

उत्तरः– वामीरो ने तताॅरा को बेरूखी के साथ जवाव दिया ''पहल बताओ। तुम कौन हो? इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण? अपने गाॅव के अलावा किसी और गाॅव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देने को मैं बाध्य नहीं। यह तुम भी जानते हो।''

3. तताॅरा वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?

उत्तरः– तताॅरा वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार के लोगों को अपनी गलत परंपरा का आभास हो गया और उन्होने इस परम्परा को तोड़ दिया अब वे अपने गाॅव के अलावा दूसरो गाॅवों में भी शादी संबंध करने लगे थे।

4. निकोबार के लोग तताॅरा को क्यो पसंद करते थे?

उत्तरः– तताॅरा एक नेक ओर मददगार व्यक्ति था सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाॅववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीवत में उसे स्मरण करते और वह भागा–भागा वहाॅ पहूॅच जाता। दूसरे गाॅवों में भी पर्व– त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते।

प्रश्नो के उत्तर 50–60 शब्दों में :–

1. **निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है?**

उत्तरः– निकोबारियो का विश्वास है कि पहले लिटिल अंढमान और कार निकोबार द्वीप आपस में मिले हुए थे। इनके अलग होने का कारण ततॉरा और वामीरो है उनका कहना है कि प्राचीन समय में इस द्वीप पर एक परंम्परा प्रचलित थी इसके अनुसार किसी भी गॉव का लडका या लडकी किसी दूसरे गॉव में वैवाहिक संबंध नहीं कर सकते थे। ऐसे में पासा गॉव के ततॉरा और लपाती गॉव की वामीरों के बीच प्रेम संबंध हो जाता है तो गॉव वाले उनका विरोध करते हैं जिससे ततॉरा को क्रोध आ जाता है और वह अपनी दैवीय तलवार से इस द्वीप के दो भाग कर देता है, दोनों के बीच में 96 कि.मी. की दूरी हो जाती है।

2. **ततॉरा सूब परिश्रम करने के बात कहॉ गया? प्राकृतिक सौदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।**

उत्तरः– एक शाम ततॉरा दिनभर के अथक परिश्रम के बाद समुद्र किनारे टहलने निकल पडा। सूरज समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबने को था। समुद्र से ठंडी बयारे आ रही थी। पक्षियों की सांयकालीन चहचहाते शनैः शनैः क्षीण होने को थीं। उसका मन शांत था। विचार मग्न ततॉरा समुद्री बाल पर बैठकर सूरज को अंतिम रंग–बिरंगी किरणों को समुद्र पर निधरने लगा। तभी कहीं पास से उसे मधुर गीत गूॅजता सुनाई दिया। गीत मानो बहता हुआ उसकी तरफ आ रहा हो। बीच–बीच में लहरों का संगीत सुनाई देता। गायन इतना प्रभावी था ि कवह अपनी सुध–बुध खोने लगा।

3. **वामीरो से मिलने के बाद ततॉरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया?**

उत्तरः– ततॉरा एक मेहनती और नेक स्वभाव का व्यक्ति थां वह गॉव में होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम में भाग लेता था। और सदैव दूसरो की मदद करता था। अपने गॉव की परंम्पराओंका भी बहुत सम्मान करता था, किंतु वामीरों से मिलने के बाद उसका जीवन पूरी तरह बदल गया था। अब उसका किसी काम में मन नहीं लगता था। वह किसी कार्यक्रम में भी हिस्सा नहीं

लेता था अब उसे अपनी गॉव की परम्पराओं से भी विरोध होने लगा था। अब वह पूरा दिन वामीरों की याद में बिताने लगा थ। और शाम होने से काफी पहले ही लपाती गॉव की उस चट्टान पर जाकर बैठ जाता थ, जहॉ पर शाम को वह वामीरो से मिलता था। गॉव में होने वाले पशु मेले में भी उसने कोई हिस्सा नहीं लिया था, अपने गॉव की परंमपरा का विरोध करते हुए, उसने द्वीप के दो खंड कर दिए थे।

4. **प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति–प्रदर्शन के लिए किस प्रकार के आयोजन किए जाते थे?**

उत्तरः– प्राचीन काल आज जेसे मनोरंजन के साधन नहीं थे। उस समय लोग खेल–तमाशे, किस्से–कहानी, ओर मेलों के द्वारा मनोरंजन किया करते थे। प्रत्येक गॉव में वर्ष में एक बार किसी न किसी मेले का आयोजन किया जाता था, जिसे पशु मेले के नाम से जाना जाता था, इन मेलों में लोग अपने हष्ट–पुष्ट पशुओं को खरीदते और बेचते थे, गॉव के युवक भी अपने शक्ति परिक्षण के लिए इन मेलों में बलिष्ठ प्शुओं के साथ कुश्ती किया करते थे, नृत्य संगीत और भेजन की व्यवस्था भी इन मेंलों में कराई जाती थी। लोग आस–पास के गॉवों से भी इन मेलों में कराई जाती थी। लोग आस–पास के गौवों से भी इन मेलों में आते थे और अपने जरूरत की वस्तुऐं तथा अन्य सामान खरीदकर ले जाते थे प्राचीन काल में मनोरंजन का यही सर्वोत्तम साधन था।

5. **रूढियॉ जब बंधन बन बोझ बने लगीं तब उनका टूटना जाना ही अच्छा है। क्यों ? स्पष्ट कीजिए।**

उत्तरः– रूढियॉ या परंम्पराऍ समाज को व्यसस्थित रखने के लिए बनाई जाती हे, इनके द्वारा समाज में कोई भी व्यक्ति अपनी मनमानी नहीं कर सकता है और समाज सुचारू रू॰ से अपना कार्य कर सकता है, किंतु कभी–कभी कुछ रूढियॉ समाज के लिए बंधन बन जाती है, तब उनका टूट जाना ही समाज के लिए अच्छा है, जैसा कि हमने ततॉरा वामीरो नामक पाठ में पढा, कि उस द्वीप पर जो एक प्रथ प्रचलित थी, कि किसी भी गॉव का लडका था लडकी दूसरे गॉव में विवाह संबंध नही कर सकता था, इस प्रथा के कारण ततॉरा और वामीरों की

मृतयु हो गई, और अंत में वहॉ के लोगों को यह प्रथा छोडनी पडी इसी प्रकार हमारे भारत में भी दहेज प्रिाि अब एक ऐसा अभिशाप बन गई है, जिसके कारण लोग घर में कन्या का जन्म होना ही अभिशाप बन गई है, जिसके कारण लोग घर में कन्या का जन्म होना ही अभिशाप समझते है। अतः ऐसी प्रिाओं का टूट जाना ही समाज की भलाई है।

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिएः–

क. सुध–बुध खोना – होश न रहना

:– मैं उसे देखकर सुध–बुध खो बैठा।

ख. बाट जोहना – इंतजार करना

:– तुम कल आओगी ना। मैं तुम्हारी बाट जोहूँगा।

ग. खुशी का ठिकाना न रहना – बहुत खुश होना।

:– जब मैंने उसे देख तो मेरी खुशी का ठिकाना न रहा।

घ. आग बबूला होना – क्रोधित होना

:– किसी अनजान व्यक्ति को मेरे घर में देखते ही मैं आग बबूला हो गया।

ङ. आवाज उठाना – विरोध करना

:– जब कर्मचारियों पर अत्याचार सहन न हुआ तो उन्होंने कमपनी के मालिक का विरोध किया।

2. नीचे दिए गए शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइएः–

अन + आकर्षक	:–	अनाकर्षक
अ + ज्ञात	:–	अज्ञात
सु + कोमल	:–	सुकोमल
बे + होश	:–	बेहोश
दु + घटना	:–	दुर्घटना

3. नीचे दिए गए शब्दों के विलोग शब्द लिखिएः–

भय	–	अभय
मधुर	–	कटु
सभ्य	–	असभ्य
मूक	–	वास्य
तरल	–	ठोस
उपस्थिति	–	अनुपस्थिति
सुखद	–	दुखद

4. नीचे दिए गए शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिएः–

समुद्र	–	सागर, रत्नाकर
ऑख	–	नेत्र, नयन
दिन	–	दिवस, वार
अंधेरा	–	अंधकार
मुक्त	–	आजाद, स्वतंत्र